Annexure-4.01.06(11)
Item No. 4-1-6 (4)
EC dated 25.08.2023

INDEX

(B.A. Honours in Hindi Journalism & Mass Communication)

SEMESTER – V

Sl. No.	Details of Paper	Page No.
1.	BA (Hons.) Hindi Journalism– DSC 1. जनमाध्यम के सिद्धांत – DSC 13 2. हाशिए का समाज और हिंदी मीडिया DSC 14 3. विज्ञापन – DSC 15	1-7
2.	Pool of DSE 1. हिंदी सिनेमा (क) 2. खोजी पत्रकारिता (ख) 3. लोक संस्कृति और समाज (ग)	8-14
3.	Pool of Generic Elective 1. मीडिया और मानवाधिकार GE (क) 2. वेब पत्रकारिता GE (ख) 3. Community outreach	15-20

बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार

DEPARTMENT OF HINDI

Category I

बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार **for Undergraduate Honours**

(B.A. Honours in Hindi Journalism & Mass Communication)

DSC 13 जनमाध्यम के सिद्धांत

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Coursetitle & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteofthecourse (ifany)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 13 जनमाध्यम के सिद्धांत	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. छात्रों में जनमाध्यमों की समझ विकसित करना
2. छात्र को भारतीय संचार की अवधारणा से परिचित कराना
3. छात्रों को जनमाध्यम और समाज के बीच संबंध से अवगत कराना।
4. छात्रों को जनमाध्यम संदेशों पर व्यक्तिगत प्रतिक्रिया की पहचान कराना
5. जनसंचार के विविध प्रारूप और सिद्धांतों से परिचित कराना।

Learning Outcomes

1. जनमाध्यमों की समझ विकसित होगी।
2. संचार की भारतीय अवधारणा से परिचित होंगे।
3. जन माध्यमों के समाज पर प्रभाव का आकलन कर सकेंगे।

4. जनमाध्यमों के सिद्धांतों से परिचित होंगे।
5. जनमाध्यम के संदेशों से व्यक्तिगत प्रभाव का आकलन कर सकेंगे।

1. जनमाध्यम : परिचय 10 **घंटे**

- जनमाध्यम: स्वरूप एवं प्रकार
- जन माध्यम: कार्यशैली एवं उद्देश्य
- जनमाध्यमों की जनमत निर्माण में भूमिका : एग्जिट पोल, ओपिनियन पोल

2. संचार के मॉडल 10 **घंटे**

- संचार प्रारूप (मॉडल) के प्रकार : लीनियर, नॉन लीनियर एवं मिश्रित
- प्रमुख संचार प्रारूप: अरस्तु, शैनन एवं वीवर,ऑसगुड, लासवेल एवं विल्बर श्रैम
- आधुनिक संचार प्रारूप: न्यूकॉम्ब, गर्बनर, वेस्तले एवं मैकलीन, व्हाइट गेटकीपिंग

3. जनसंचार के सिद्धांत 10 **घंटे**

- जनसंचार के समाजशास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक सिद्धांत
- जनसंचार का नियामक सिद्धांत (प्रभुत्ववादी, उदारवादी, सामाजिक उत्तरदायित्व, साम्यवादी सिद्धांत, लोकतांत्रिक सहभागिता का सिद्धांत, मीडिया विकास का सिद्धांत)
- अन्य सिद्धांत: बुलेट सिद्धांत, गेटकीपिंग का सिद्धांत, क्लटीवेशनल सिद्धांत, जनसमाज सिद्धांत

4. माध्यम-प्रभाव अध्ययन 15 **घंटे**

- जनमाध्यमों की प्रस्तुति की समीक्षा
- फीड बैक, फीड फ़ारवर्ड
- उपभोक्तावादी संस्कृति से मीडिया में आये बदलावों की समीक्षा

प्रायोगिक कार्य 30 **घंटे**

- किसी एक चयनित संचार सिद्धांत की प्रासंगिकता का सर्वे और आपसी बातचीत के आधार पर पीपीटी तैयार करना

- किसी समसामयिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय समाचार की मीडिया प्रस्तुति की केस स्टडी तैयार करना
- किसी समसामयिक सामाजिक/ आर्थिक/ राजनीतिक/ तकनीकी मुद्दे पर भाषण तैयार कर उसकी प्रस्तुति करना
- किन्ही दो प्रिंट अथवा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की समाचार प्रस्तुति का तुलनात्मक अध्ययन एवं प्रस्तुति
- जनमत निर्माण हेतु प्रश्नावली निर्माण और उसके आधार पर सर्वेक्षण की रिपोर्ट तैयार करना।

संदर्भ पुस्तकें :

1. भारत में जनसंचार, केवल जे कुमार, जैको पब्लिशिंग हाउस मुंबई
2. संचार के सिद्धांत, आशा हिंगड़, मधु जैन, सुशीला पारीक, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
3. संप्रेषण: प्रतिरूप एवं सिद्धांत, डॉ श्रीकांत सिंह, भारती पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, फैजाबाद
4. संचार के मूल सिद्धांत, ओमप्रकाश सिंह, लोक भारती प्रकाशन
5. मास कम्युनिकेशन थ्योरी, डेनिस मैक्वेल, सेज पब्लिकेशन नई दिल्ली
6. कम्युनिकेशन मीडिया यस्टरडे टुडे एंड टुमारो, पीएन मल्हन, प्रकाशन विभाग नई दिल्ली
7. कम्युनिकेशन, सीएस रेड्डु, हिमालय पब्लिशिंग हाउस मुंबई
8. द प्रोसेस एंड इफ़ेक्ट ऑफ़ मास कम्युनिकेशन, श्रैम, डब्लू एंड रोबर्ट्स डीएफ

DSC 14 हाशिए का समाज और हिंदी मीडिया

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Coursetitle & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteofthecourse (ifany)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 14 हाशिए का समाज और हिंदी मीडिया	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. हाशिए के समाज की अवधारणा से परिचित करवाना।
2. हाशिए के समाज की समस्याओं से अवगत करवाना।
3. हिंदी मीडिया में हाशिए के समाज की भूमिका बताना।
4. सामाजिक बदलाव के लिए छात्रों को तैयार करना।

Course Learning Outcomes

1. छात्र हाशिये के समाज के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।
2. छात्र समाज का महत्त्व समझेंगे।
3. छात्र समाज परिवर्तन के लिए तैयार होंगे।

1. भारतीय सामाजिक व्यवस्था और हाशिए का समाज 10 **घंटे**

- हाशिए का समाज – अर्थ और अवधारणा
- भारतीय सामाजिक व्यवस्था और समस्याएं
- सामाजिक विकास में हाशिए के समाज का योगदान

2. दलित- आदिवासी समाज और मीडिया 10 **घंटे**

- दलित और आदिवासी वर्ग की समस्याएं
- मीडिया की मुख्यधारा दलित और आदिवासी समाज
- मीडिया की ख़बरें और समतामूलक समाज – निर्माण का उद्देश्य एवं सामाजिक समरसता

3. जेंडर समानता और अस्मिता विमर्श 10 **घंटे**

- स्त्री विमर्श की भारतीय अवधारणा
- मीडिया के जेंडर समानता के सवाल
- थर्ड जेंडर का मुद्दा और हिंदी मीडिया

4. अस्मिता विमर्श और माध्यम व्यवहार 15 **घंटे**

- लोक संस्कृति के पहलू और हाशिए का समाज
- जन माध्यमों का बाजार और हाशिए का जीवन
- सामाजिक न्याय और मीडिया

प्रायोगिक कार्य 30 **घंटे**

- महाविद्यालय में हाशिए के समाज सम्बन्धी कार्यक्रम की रिपोर्टिंग करवाना।
- किसी एक अख़बार की हाशिए के समाज सम्बन्धी ख़बरों का विश्लेषण।
- किसी एक चैनल की हाशिए के समाज सम्बन्धी ख़बरों का विश्लेषण।
- हाशिए के समाज के प्रमुख व्यक्तित्व से भेंटवार्ता और साक्षात्कार।

सहायक पुस्तकें :

1. मीडिया के सामाजिक सरोकार कालूराम परिहार, अनामिका पब्लिशर्स एन्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा०लिमिटेड, नईदिल्ली
2. भारतीय समाज (अनुवाद:वंदना मिश्र) श्यामा चरण दुबे, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
3. समकालीन मीडिया- परिदृशय और अस्मिता मूलक विमर्श डा०मधु लोमेश, हेमाद्रि प्रकाशन, नईदिल्ली
4. आधुनिकता के आइने में दलित समाज, अभय कुमार दुबे, वाणी प्रकाशन प्रा०लि०, दिल्ली
5. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श जगदीश्वर चतुर्वेदी, अनामिका पब्लिशर्स एन्डब्यूटर्स, दिल्ली

DSC 15 विज्ञापन

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Coursetitle & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteofthecourse (ifany)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 15 **विज्ञापन**	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

1. छात्रों को मीडिया में विज्ञापन के महत्व से अवगत कराना।
2. छात्रों को विज्ञापन निर्माण का व्यवहारिक अभ्यास कराना।
3. छात्रों को विज्ञापन के भारतीय समाज पर पड़ने वाले प्रभाव की जानकारी देना।

Course Learning Outcomes

1. छात्र मीडिया के अर्थतंत्र को जान पायेंगे।
2. विज्ञापन के कॉपी निर्माण का व्यावहारिक ज्ञान होगा।
3. विज्ञापन में भाषा की रचनात्मकता का महत्व सीख सकेंगे ।
4. विज्ञापन की आचार संहिता को जान पायेंगे।

1. विज्ञापन : अर्थ एवं सिद्धांत 10 **घंटे**

- विज्ञापन : अर्थ, प्रकार एवं उद्देश्य
- विज्ञापन के सिद्धांत : AIDA व DAGMAR
- ब्रांड की अवधारणा

2. माध्यमगत विज्ञापन 10 **घंटे**

- प्रिंट एवं ई/डिजिटल विज्ञापन की विशेषता
- रेडियो विज्ञापन
- वीडियो/टेलीविजन विज्ञापन की विशेषता

3. विज्ञापन निर्माण एवं भाषा 10 **घंटे**

- विज्ञापन कॉपी निर्माण एवं तत्व
- विज्ञापन में रचनात्मकता एवं भाषाई प्रयोग
- विज्ञापन अभियान एवं चरण

4. विज्ञापन एवं समाज 15 **घंटे**

- विज्ञापन का समाज एवं संस्कृति पर प्रभाव
- विज्ञापन परिषद की आचार संहिता
- विज्ञापन एजेंसी की संगठन संरचना

प्रायोगिक कार्य : 30 **घंटे**

- किसी एक विषय पर विज्ञापन की कॉपी तैयार करना।
- रेडियो जिंगल तैयार करना।
- सामाजिक जागरूकता हेतु वीडियो विज्ञापन तैयार करना।
- समाज पर विज्ञापन के प्रभाव का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।

सहायक पुस्तकें :

1. हिन्दी विज्ञापनों का पहला दौर, आशुतोष पार्थेश्वर, अद्वैत प्रकाशन
2. विज्ञापन व्यवसाय एवं कला, डॉ रामचंद्र तिवारी, अलेख प्रकाशन, नई दिल्ली
3. विज्ञापन तकनीक एवं संपादन, डॉ नरेंद्र यादव, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
4. विज्ञापन की दुनिया, प्रो कुमुद शर्मा, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

DSE 3 हिंदी सिनेमा (क)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 3 **हिंदी सिनेमा (क)**	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objectives

1. हिंदी सिनेमा के उद्भव और विकास यात्रा से अवगत करवाना।
2. हिंदी सिनेमा में प्रयुक्त तकनीकी दक्षता प्रदान करना।
3. हिंदी सिनेमा जगत के विविध आयामों से परिचित कराना।

Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थी हिंदी सिनेमा विकास यात्रा की जानकारी प्राप्त करेंगे।
2. विद्यार्थी हिंदी सिनेमा निर्माण प्रक्रिया से अवगत होंगे।
3. विद्यार्थी हिंदी सिनेमा के विविध आयामों से परिचित होंगे।
4. सिनेमा के क्षेत्र में उत्पन्न रोज़गार के अवसरों का लाभ ले पायेंगे।

1. हिंदी सिनेमा : सामान्य परिचय **10 घंटे**

- हिंदी सिनेमा की विकास यात्रा
- सिनेमा के विषय : सामाजिक, धार्मिक, ऐतिहासिक, राजनैतिक, पारिवारिक, कॉमेडी, हॉरर
- हिंदी सिनेमा का वर्गीकरण : लोकप्रिय सिनेमा, समानांतर सिनेमा, क्षेत्रीय सिनेमा

2. हिंदी सिनेमा : तकनीक एवं प्रविधियाँ **10 घंटे**

- सिनेमा : तकनीकी एवं कौशल : पटकथा, अभिनय, संवाद, गीत, संगीत, नृत्य, निर्देशन, प्रस्तुतीकरण
- स्पेशल इफ़ेक्ट्स तकनीक
- सिनेमेटोग्राफ़ी

3. हिंदी सिनेमा : अर्थशास्त्र और प्रबंधन **10 घंटे**

- हिंदी सिनेमा का बाज़ार : राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय
- हिंदी सिनेमा की मार्केटिंग तकनीक
- सिनेमा समीक्षा, सेंसर बोर्ड, सिनेमा संबंधी तकनीकी शब्दावली

4. हिंदी सिनेमा का समकालीन परिदृश्य **15 घंटे**

- हिंदी सिनेमा का बदलता स्वरूप : न्यू सिनेमा, ओटीटी प्लेटफॉर्म, शॉर्ट फ़िल्म्स
- हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र
- लोकप्रिय हिंदी फ़िल्मों का समीक्षात्मक अध्ययन : दो बीघा ज़मीन, मदर इंडिया, पूरब-पश्चिम, स्वदेश, तारे ज़मीन पर, चक दे इंडिया

प्रायोगिक कार्य **30 घंटे**

- किसी चर्चित फ़िल्म की समीक्षा
- किसी साहित्यिक कहानी का संवाद लेखन एवं दृश्य रूपांतरण करना
- समसामयिक विषयों पर 5 मिनट की लघुफ़िल्म का निर्माण
- समाचार पत्र के फ़िल्म आधारित परिशिष्ट पेज का अध्ययन कर रिपोर्ट तैयार करना

सहायक पुस्तकें :

1. सिनेमा का जादुई सफ़र : प्रताप सिंह, राजकमल प्रकाशन
2. फ़िल्म निर्माण के कारक तत्व : बालकृष्ण राव, राजमंगल प्रकाशन
3. हिंदी सिनेमा का इतिहास : मनमोहन चड्ढा, शशि प्रकाशन
4. Encyclopedia of Hindi Cinema, Govind nihlani, Gulzar, Saibal Chatterjee, Britannica Press
5. Great Movies 100 years of cinema, parragon Books
6. Reviewing Hindi Cinema since 1945, Suman Shakya, Notion Press

DSE 3 खोजी पत्रकारिता (ख)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Coursetitle & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteofthecourse (ifany)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 2 **खोजी पत्रकारिता (ख)**	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

1. स्टिंग पत्रकारिता के स्वरूप की जानकारी देना।
2. छात्रों को स्टिंग पत्रकारिता के महत्व से परिचित कराना।
3. स्टिंग पत्रकारिता क्षेत्र में रोजगारपरक संभावनाओं पर प्रकाश डालना।

Course Learning Outcomes

1. स्टिंग पत्रकारिता और उसके प्रयोग की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. स्टिंग पत्रकारिता के महत्व को समझेंगे।
3. छात्रों को रोजगारपरक प्रशिक्षण प्राप्त होगा।

1. खोजी पत्रकारिता : अवधारणा एवं स्वरूप 10 **घंटे**

- खोजी पत्रकारिता : अर्थ, परिभाषा एवं विभिन्न प्रकार
- सामान्य रिपोर्टिंग तथा खोजी पत्रकारिता में अंतर
- खोजी पत्रकारिता में मौलिकता का महत्व

2. खोजी रिपोर्ट एवं शोधपरक पड़ताल 10 **घंटे**

- खोजपरक रिपोर्टिंग में शोध का महत्व एवं प्रयोग

- आंकड़ों का व्यवस्थित एवं प्रासंगिक अध्ययन
- आंकड़ों का तथ्यपरक एवं तुलनात्मक विश्लेषण

3. स्टिंग ऑपरेशन : सिद्धांत, तकनीक, उपकरण एवं प्रयोग 10 **घंटे**

- स्टिंग ऑपरेशन : विधा की विशेषताएं एवं प्रशिक्षण
- स्टिंग ऑपरेशन : आवश्यक उपकरण एवं तकनीक
- स्टिंग ऑपरेशन : व्यावहारिक चुनौतियां एवं संभावित खतरे और क़ानूनी पहलू

4. खोजी पत्रकारिता तथा स्टिंग ऑपरेशन : सामाजिक प्रभाव एवं विश्वसनीयता 15 **घंटे**

- खोजी पत्रकारिता : सामाजिक प्रभाव
- व्यवस्था परिवर्तन एवं खोजी पत्रकारिता : (बोफोर्स तथा टू जी घोटाले के उदाहरण)
- स्टिंग ऑपरेशन : विश्वसनीयता एवं नैतिकता के प्रश्न

प्रायोगिक कार्य 30 **घंटे**

- प्रमुख 5 स्ट्रिंग ऑपरेशन का अध्ययन कर उनकी रिपोर्ट प्रस्तुति करना।
- स्टिंग ऑपरेशन प्रविधि का आकलन करते हुए एक खोजी रिपोर्ट तैयार करना।
- ऑफलाइन – ऑनलाइन स्टिंग ऑपरेशन से जुड़े विवादों पर एक आलोचनात्मक लेख तैयार करना।
- स्टिंग ऑपरेशन के प्रभावों की समीक्षा विषय पर समूह चर्चा।

सहायक पुस्तकें :

1. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और स्टिंग ऑपरेशन – सतीश शर्मा जाफराबादी, तक्षशिला प्रकाशन
2. स्टिंग ऑपरेशन का सच भूपेन पटेल, पेंगुइन
3. इन्टरनेट जर्नलिज़्म - विजय कुलश्रेष्ठ -साहिल प्रकाशन जयपुर
4. स्टिंग ऑपरेशन सिध्द्धांत एवं व्यवहार – डॉ एस श्रीकान्त ,श्री नटराज प्रकाशन

DSE 3 लोक संस्कृति और समाज (ग)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Coursetitle & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteofthecourse (ifany)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 3 **लोक संस्कृति और समाज (ग)**	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

- लोक संस्कृति की जानकारी प्रदान करना।
- लोक साहित्य की विविध विधाओं की जानकारी देना।
- भूमंडलीकरण के दौर में लोक संस्कृति की जानकारी देना।
- सभ्यता-संस्कृति की समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

- विद्यार्थी लोक संस्कृति से परिचित हो सकेंगे।
- लोक साहित्य की विविध विधाओं का अध्ययन कर अर्जित ज्ञान और अनुभव से शोध कार्य कर सकेंगे।
- भूमंडलीकरण के दौर में लोक संस्कृति की व्यवहारिक जीवन में उपयोग कर सकेंगे।
- सभ्यता और संस्कृति की समीक्षा कर सकेंगे।
- लोक संस्कृति की व्यवसायी संभावनाओं का उपयोग करना सीख सकेंगे।

1. लोक संस्कृति : परिचय 10 **घंटे**

- लोक संस्कृति : अर्थ, अवधारणा, विशेषताएँ, सभ्यता और संस्कृति
- लोक संस्कृति और समाज का अंतर्संबंध
- लोक संस्कृति : महत्व, संकट और संभावनाएँ

2. लोक साहित्य,समाज एवं संस्कृति 10 **घंटे**

- लोक साहित्य के विविध रूप : लोकगीत, लोकनाट्य, लोक कथाएं, लोक साहित्य में प्रमुख ऐतिहासिक घटनाओं की उपस्थिति (1857 का स्वाधीनता संग्राम, स्वाधीनता आंदोलन, स्वतंत्र भारत में युद्ध)
- लोक साहित्य और भाषा का सामाजिक जीवन पर प्रभाव
- लोक संस्कृति और अभिजनवादी संस्कृति, लोक साहित्य एवं शिष्ट साहित्य

3. जनमाध्यम और लोक संस्कृति 10 **घंटे**

- जनमाध्यम में लोक संस्कृति की स्थिति (पत्र-पत्रिकाएँ, रेडियो, टेलीविजन, फिल्म, ओटीटी, सोशल मीडिया), कंटेंट और भाषा
- पॉपुलर कल्चर और लोक संस्कृति, मीडिया और संस्कृति का अंतर्संबंध
- जनमाध्यमों पर अभिव्यक्ति की चुनौतियाँ तथा लोक भाषा

4. विमर्श और लोक संस्कृति 15 **घंटे**

- आधुनिकता और लोक संस्कृति : इतिहास, विज्ञान, आख्यान, प्राच्यवाद
- लोक और विमर्श : आदिवासी, स्त्री, दलित, पर्यावरण,
- स्व और लोक संस्कृति, सांस्कृतिक वर्चस्व और लोक संस्कृति

प्रायोगिक कार्य : 30 **घंटे**

- लोकगीतों का अध्ययन कर रिपोर्ट प्रस्तुति करना
- हिंदी उपन्यास अथवा किसी हिंदी कहानी पर बनी फिल्म की पटकथा पर समूह चर्चा।
- लोक साहित्य लोक कथाओं का संकलन तथा अनुवाद करना।
- किसी लोक संस्कृतिकर्मी से भेंटवार्ता एवं साक्षात्कार करना।
- लोक संस्कृति के किसी रूप पर परियोजना कार्य (रामलीला, रासलीला, आल्हा)
- लोक संस्कृति की जानकारी के लिए किसी एक गाँव की सर्वे के आधार पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना।

सहायक पुस्तकें :

1. लोक संस्कृति के विविध आयाम, महीपाल सिंह राठौड़, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, 2021
2. हिंदी प्रदेश के लोक गीत , डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन (प्रा) लिमिटेड
3. लोक साहित्य की भूमिका, डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन (प्रा) लिमिटेड
4. संस्कृति के चार अध्याय, रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन
5. भारतीय संस्कृति, डॉ. देवराज, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
6. संस्कृति की आंतरिक लय के स्रोत, वियोगी हरि, सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन, प्रकाशन विभाग
7. वासुदेव शरण अग्रवाल रचना-संचयन, चयन एवं संपादन- कपिला वात्स्यायन, साहित्य अकादेमी
8. भारत की पहचान, चयन एवं संपादन- गिरीश्वर मिश्र, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
9. लोक संस्कृति की रूपरेखा, डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, लोकभारती प्रकाशन

GE मीडिया और मानवाधिकार (क)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteofthecourse (ifany)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE (क) **मीडिया और मानवाधिकार**	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objectives

1. मानवाधिकार के महत्व से परिचित कराना।
2. मानवाधिकारों की रक्षा में मीडिया की भूमिका से अवगत कराना।
3. मानवाधिकारों के साथ-साथ नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना।

Course Learning Outcomes

1. मानव अधिकार के महत्त्व से परिचित होंगे।
2. मानव अधिकार की रक्षा में मीडिया की भूमिका से अवगत होंगे।
3. मानव अधिकार के साथ-साथ नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक होंगे।

1. मानवाधिकार का परिचय 10 **घंटे**

- मानवाधिकारों का स्वरूप और विकास
- मानव अधिकार का महत्व एवं प्रकार
- प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध और यूएनओ का मानव अधिकार चार्टर

2. राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन और मीडिया 10 **घंटे**

- अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों (यूएनओ, ह्यूमन राइट कमीशन, ह्यूमन राइट वॉच, एमनेस्टी इंटरनेशनल आदि) की गतिविधियां एवं मीडिया।

- राष्ट्रीय एवं राज्य मानवाधिकार आयोग, केंद्र एवं राज्य सरकारें, नौकर शाही, न्याय-पालिका और पुलिस व्यवस्था की मीडिया में छवि एवं मानवाधिकार।
- निजी एवं गैर-सरकारी मानव अधिकार संगठनों की गतिविधियां और मीडिया में उनकी प्रस्तुति।

3. ज्वलंत एवं समसामयिक मानवाधिकार संबंधी मुद्दे और मीडिया 10 **घंटे**

- युद्ध एवं हिंसा सम्बंधी ज्वलंत मुद्दे और मीडिया
- स्त्री सम्बंधी ज्वलंत मुद्दे और मीडिया
- बाल एवं वृद्ध मानवाधिकार संबंधी ज्वलंत मुद्दे और मीडिया

4. मीडिया और मानवाधिकार 15 **घंटे**

- 'हेट-स्पीच', मानवाधिकार और मीडिया
- मीडिया में माफिया आतंक का महिमामंडन और मानवाधिकार
- मीडिया की प्रतिबद्धता और मानवाधिकार

प्रायोगिक कार्य 30 **घंटे**

- मानवाधिकार संबंधी किसी फिल्म का समीक्षात्मक विश्लेषण
- किसी टीवी चैनल में प्रसारित समाचार में मानवाधिकार की प्रस्तुति का विश्लेषण
- मानवाधिकारों के उल्लंघन संबंधित केस स्टडी का अध्ययन कर रिपोर्ट तैयार करना।
- मानवाधिकार आयोग की वार्षिक रिपोर्ट पर समूह चर्चा
- किसी एक समाचार पत्र में प्रकाशित मानवाधिकार से जुड़ी खबरों का रिपोर्ट लेखन
- मानवाधिकारों के प्रति समाज जागरण हेतु पोस्टर निर्माण

संदर्भ पुस्तकें :

1. मानवाधिकार एक परिचय – डॉ. रणधीर कुमार, संकल्प प्रकाशन
2. मानवाधिकार और मीडिया - मुकुल श्रीवास्तव, एटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स
3. मानवाधिकार – डॉ. विजेंद्र सिंह बौद्ध, युवराज प्रकाशन, आगरा
4. मानव अधिकार और मौलिक स्वतंत्रता - जस्टिस गुलाब गुप्ता, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी
5. मानवाधिकार और महिलाएं – डॉ. (श्रीमती) ममता चंद्रशेखर, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी

GE वेब पत्रकारिता (ख)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Coursetitle & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteofthecourse (ifany)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE (ख) **वेब पत्रकारिता**	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

- विद्यार्थियों को वेब पत्रकारिता के परिवर्तित स्वरूप से परिचित कराना।
- वेब लेखन तकनीक की जानकारी देना।
- वेब पत्रकारिता के नैतिक और कानूनी आयामों से अवगत कराना।

Course learning outcomes

- विद्यार्थी वेब समाचार,फीचर और लेखन तकनीक में दक्ष होंगे।
- वेब सामग्री का निर्माण और संपादन कार्य की जानकारी प्राप्त करेंगे।
- वेब सामग्री निर्माण के वैधानिक पक्ष की जानकारी से समृद्ध होंगे।

1. **वेब पत्रकारिता** 10 **घंटे**

- वेब पत्रकारिता की परिभाषा महत्त्व और प्रकार
- वेब पत्रकारिता की उत्पत्ति और विकास
- वेब पत्रकारिता का सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, बदलते समाज में वेब पत्रकारिता की भूमिका

2. वेब पत्रकारिता के रूप और प्रारूप 10 **घंटे**

- वेब के लिए फोटो, वेब के लिए ऑडियो और वीडियो
- सूचना-ग्राफिक्स और डेटा विज़ुअलाइज़ेशन, मल्टीमीडिया पैकेज और मल्टी-मीडिया वृत्तचित्र

- वेब पत्रकारिता के रूप और उपकरण, वेब समाचार, वेब विज्ञापन, मार्केटिंग की पैकेजिंग और वितरण

3. वेब पत्रकारिता के लिए लेखन 10 **घंटे**

- समाचार लेखन बनाम वेब के लिए लेखन
- वेब पत्रकारिता के लिए हेडलाइंस, हाइपरलिंक्स और सर्च इंजन अनुकूलित लेखन, सोशल नेटवर्किंग साइट्स में लेखन
- लिखने के लिए ग्राफिक्स और छवियों का उपयोग, वेब, वेब सामग्री लेखन और सर्च इंजन के साथ इसका संबंध

4. कन्वर्जेंट पत्रकारिता और वेब 15 **घंटे**

- कन्वर्जेंट पत्रकारिता की परिभाषा, इसका विकास, प्रौद्योगिकी और अभिसरण (कन्वर्जेंस)
- कन्वर्जेंट पत्रकारिता का क्षेत्र, आभासी और वास्तविक कन्वर्जेंट पत्रकारिता के बीच अंतर, कम्युनिकेशन कन्वर्जेंस बिल 2001, प्रमुख भारतीय समाचार पोर्टलों का संक्षिप्त परिचय
- नेटवर्किंग वेबसाइटें, वेब 2.0 आदि की विशेषताएं एवं अनुप्रयोग

प्रायोगिक कार्य: 30 **घंटे**

- किसी वेबसाइट के लिए फीचर तैयार करना।
- ब्लॉग बनाना और उसमें समसामयिक विषयों पर लेख लिखना।
- किसी न्यूज पोर्टल के लिए समाचार तैयार करना।
- अपने संस्थान की महत्वपूर्ण गतिविधियों की फोटोग्राफी करना, वीडियो रिपोर्ट और पॉडकास्ट बनाना।

सहायक पुस्तकें :

1. हर्षदेव, ऑनलाइन पत्रकारिता, समसामयिक प्रकाशन,नई दिल्ली
2. Tapas ray, online Journalism, Cambridge University press,2011
3. Jim Foust , Online Journalism -Principal and practice for the web, Routledge publisher
4. R G Rosales , The Elements of online Journalism,i Universe,UK
5. Stephen Quinn and Vincent Falk ,Convergent Journalism-An Introduction, focal Press

Community outreach (2)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tute	Practical/ Practice		
Community outreach	2			2		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. समाज के विभिन्न मुद्दों के प्रति मीडिया छात्रों को जागरूक करना।
2. छात्रों में सामाजिक सरोकार की समझ विकसित करना।
3. समाज, संस्थान और मीडिया उद्योग में समन्वय स्थापित करना।
4. छात्रों में मीडिया व्यवसाय की व्यावहारिक समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

1. समाज के विभिन्न मुद्दों के प्रति छात्र जागरूक होंगे।
2. छात्रों में सामाजिक सरोकार की समझ विकसित होगी।
3. मीडिया व्यावसाय का व्यवहारिक कौशल विकसित होगा।
4. समाज, संस्थान और मीडिया उद्योग में समन्वय स्थापित होगा।

Syllabus : **120 घंटे**

1. विविध समुदायों के साथ मीडिया जागरूकता पर कार्यशाला।
2. विभिन्न मीडिया चैनलों द्वारा आयोजित चर्चा में हिस्सा लेना।
3. मीडिया संस्थानों का भ्रमण (समाचार-पत्र, पत्रिका, रेडियो एवं टीवी)
4. विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर चर्चा की रिकॉर्डिंग तैयार करना।

5. विश्वविद्यालय एवं कॉलेजों के विविध कार्यक्रमों की कवरेज करना (प्रिंट, रेडियो, वीडियो, लाइव)
6. भ्रमण एवं गतिविधियों की साप्ताहिक रिपोर्ट तैयार कर प्रकाशित करना।
7. समाज के विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों के साक्षात्कार करना।
8. संबंधित शिक्षक से नियमित चर्चा एवं मार्गदर्शन में विभिन्न मीडिया गतिविधियों को कार्यान्वित करना।
9. स्थानीय मुद्दों पर रिपोर्टिंग और परिचर्चा का आयोजन कराना।
10. मीडिया लैब में मीडिया कार्यक्रम तैयार करना।

<u>फील्ड वर्क सेमेस्टर में :</u>

- सप्ताह में न्यूनतम 4 घंटे छात्र को समाज में देने होंगे। कार्य की जांच (1 घंटा) समूह मार्गदर्शन (1 घंटा)
- छात्रों की सामुदायिक भ्रमण में 80 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- छात्रों का मीडिया संस्थान या समाज में भ्रमण शिक्षकों के देख-रेख एवं निर्देशन में होगा।

नोट : हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस ऑडियो-वीडियो मीडिया लैब अनिवार्य है। छात्रों के प्रायोगिक प्रशिक्षण हेतु महाविद्यालय में अपेक्षित मीडिया उपकरण, तकनीकी क्षमता रखने वाले सहायक कर्मी, उपयोगी सॉफ्टवेयर एवं कम्प्यूटर के साथ प्रोजेक्टर और इंटरनेट की सुविधा की व्यवस्था होनी चाहिए।